केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 238 मंगलवार 24 मार्च 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

गरीब परिवारों के लिए सामूहिक विवाह योजना वरदान- अनिल दुबे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा, (बस्ती)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सोमवार को ब्लाक समागार में नव विवाहिताओं को अवशेष सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें 36 लाभार्थियों को सामग्री किट सौपा गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे व एडीओ आईएसबी देवेंद्र प्रसाद यादव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि अनिल दुबे ने कहा कि सामूहिक विवाह योजना गरीब व जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान साबित हो रहा है। आर्थिक व कमजोर वर्ग की बेटियों के हाथ पीला करने में सबसे बड़ा योगदान है। पहले शादी में मां–बाप बहुत चिंतित रहते थे लेकिन योजना सरकार ने सभी के चिंता को दूर कर दिया। प्रत्येक मां–बाप अपने बेटियों के शादी में जो सामान देते है वह सब मुहैया कराया जा रहा है।

एडीओ समाज कल्याण अखिलेश उपाध्याय ने बताया कि सामूहिक विवाह में 36 नव विवाहिताओं को कुछ सामान देने के लिए अवशेष रह गया था। जो अब दिया जा रहा है। इसमें गैस चूल्हा, मिक्शर व कैशरोल सामिल है। कार्यक्रम का संचालन सीएम फेलो आनंद सोनी ने किया।

मौके पर ग्राम प्रधान रमेश चौधरी, पंकज पांडेय, इंद्र कुमार चौधरी, राजेश यादव, रामप्रकाश यादव, राधा गुप्ता, सुंदरी, बेबी, रीति, अंतिमा, शिल्पा, कविता, सुमन सहित तमाम नव बधू मौजूद रही।

समाधान दिवस में 6 मामले निस्तारित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी श्रीमती कृतिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील बस्ती सदर में सम्पन्न हुआ। डीएम ने विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों को एक–एक कर सुनते हुए मौके पर उपस्थित सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को जनशिकायतों को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत निस्तारण के लिए निर्देशित किया। कहा कि शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुने और स्थलीय मौका देखकर गुणवत्तापूर्ण व ससमय समस्याओं का निस्तारण करें।

पुलिस अधीक्षक डा. यशवीर सिंह ने भी सुनवाई करते हुए पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि थानों से संबंधित मामलों को तत्परता से निस्तारण करायें। उप जिलाधिकारी शुद्धन पाठक ने बताया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 61 मामले प्राप्त हुए, जिसमें से 06 का मौके पर निस्तारण किया गया। इसमें राजस्व विभाग 20, पुलिस 14, विकास 09, चकबन्दी विभाग 07 व अन्य के 11 मामले आये। समाधान दिवस में डीएफओ डा. शिरीन, सीएमओ डा. राजीव निगम, डीडीओ अजय कुमार सिंह, पीडी राजेश कुमार, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. ए.के. गुप्ता, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, बीएसए अनूप तिवारी, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रेखा गुप्ता, सहायक श्रमायुक्त सचिन सिंह, अधिशाण अभियन्ता जलनिगम योगेन्द्र प्रसाद, ईओ नगर पालिका अंगद गुप्ता, तहसीलदार तथा जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ट्रंप के दावे को ईरान ने खारिज किया, कहा– डर से पीछे हट गए

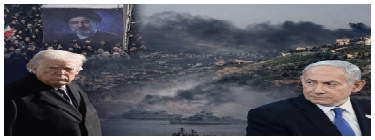

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी (आभा)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान बातचीत के लिए बेकरार है और जल्द समझौता करना चाहता है। उन्होंने कहा कि 5 दिन या उससे कम समय में यह डील हो सकती है। ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज से बातचीत में कहा कि ईरान के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 5 दिन के लिए हमले को टालना इसी बातचीत का नतीजा है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने खुद आगे बढ़कर बातचीत की पहल की। जब उनसे कहा गया कि ईरानी मीडिया ने उनके दावे को गलत बताया है तो उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं, क्योंकि ताजा बातचीत तो हाल ही में हुई है। ट्रम्प ने कहा कि पिछली रात ही अमेरिका के प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ और जारेड कुशनर ने ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी।

ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से इनकार किया है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दावों को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि तेहरान के साथ बात चल रही है या कोई डील की संभावना है। कई ईरानी मीडिया आउटलेट्स ने विदेश मंत्रालय के हवाले से रिपोर्ट किया कि तेहरान और वाशिंगटन के बीच कोई संवाद नहीं है। ईरान ने ट्रंप के इन बयानों को ऊर्जा कीमतों को कम करने और सैन्य योजनाओं के लिए समय निकालने की कोशिश करार दिया।

हालांकि कुछ ही देर पहले ईरान ने दावा किया था कि ट्रम्प के साथ उनकी कोई बातचीत नहीं हुई है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ट्रम्प एनर्जी की कीमतें कम करने के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कड़ा बयान देते हुए कहा है कि अगर ईरान के साथ बातचीत नाकाम रहती है, तो अमेरिका हमले जारी रखेगा।

गड़ही पर बने अवैध निर्माण को हटाने की मांग

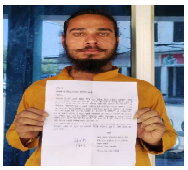

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के खझौला निवासी विवेक सिंह पुत्र वीरेन्द्र सिंह ने समाधान दिवस में और उप जिलाधिकारी सदर को पत्र देकर गड़ही संख्या 340 पर अवैध रूप से मनोज सिंह पुत्र ओंकर सिंह, गंगाराम पुत्र रामानन्द, शिवदास पुत्र लालमन, हरीराम पुत्र बृजमोहन द्वारा मकान बनाकर कब्जा कर लिये जाने के मामले में गड़ही की भूमि को खाली कराकर जुर्माना जमा कराने की मांग किया है।

प्रार्थना पत्र में विवेक सिंह ने कहा है कि तहसीलदार बस्ती द्वारा गड़ही संख्या 340 पर अवैध रूप से मकान बनाने के मामले में वेदखली व क्षतिपूर्ति का आदेश होने के बावजूद लेखपाल अर्पित श्रीवास्तव व कानूनगो कब्जा हटवाने में आनाकानी कर रहे हैं। विवेक ने मांग किया है कि टीम गठित करके इसे खाली कराया जाय।

1 अप्रैल से चलेगा स्कूली वाहनों के फिटनेस का विशेष अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, विद्यालय के अध्ययनरत बच्चों के सुरक्षित आवागमन के लिए संचालित स्कूली वाहनों की दुर्घटना का एक बड़ा कारण वाहनों की फिटनेस का न होना अथवा गलत फिटनेस का होना पाया जाता है। इस संबंध में शासन स्तर पर निर्णय लिया गया है कि एक अप्रैल से 15 अप्रैल तक स्कूली वाहनों के फिटनेस एवं पूर्व में दी गई फिटनेस के सत्यापन के संबंध में विशेष अभियान चलाया जाएगा।

इस संबंध में मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक में जनपद के विद्यालय के प्रबंधक और प्रधानाचार्यो को निर्देशित किया गया कि अपने विद्यालय में संचालित समस्त स्कूली वाहनों की फिटनेस, परमिट को अद्यतन कराने के पश्चात ही वाहन का संचालन बच्चों को लाने–ले जाने हेतु किया जाय। साथ ही 15 साल पूर्ण कर चुके स्कूली वाहनों को परिवहन कार्यालय में अपने समस्त प्रपत्रों के साथ प्रस्तुत होकर पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही करा लें। साथ विद्यालय बच्चों के अपने निजी वाहनों से विद्यालय आने पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाए जाय।

संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) फरीदउद्दीन ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश लखनऊ के आदेश के क्रम में 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक मंडल के सभी जनपदों में स्कूली वाहनों के फिटनेस एवं पूर्व में दी गई फिटनेस के सत्यापन के संबंध में विशेष अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि स्कूली वाहनों में जीपीएस की स्थापना, सीसी टीवी कैमरे की स्थापना एवं वाहन चालकों का पूर्ण विवरण लाइसेंस संख्या एवं वैधता, न्यूनतम 05 वर्ष का चालन अनुभव, पुलिस सत्यापन की तिथि प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण प्रमाण पत्र मो0न0 ई –मेल आई डी पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है। अन्यथा की स्थिति में ऐसे वाहनों पर कार्यवाही कर सीज की जाएगी, और स्कूल प्रबंधन की इसकी पूर्ण जिम्मेदारी होगी।

–स्कूली वाहनों में जीपीएस, कैमरा न लगाने पर होगी कार्यवाही

प्रधानों, प्रधानाध्यापकों के समन्वय से सुधरी परिषदीय स्कूलों की दशा–महेश शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया और दुबौलिया ब्लॉक के जनप्रतिनिधियों एवं प्रधानाध्यापकों की ब्लॉक स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय आनंद की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित हुई। हर्रैया ब्लॉक की कार्यशाला बीआरसी परिसर तथा दुबौलिया ब्लॉक की कार्यशाला विशेषरगंज स्थित एक मैरेज हाल में सम्पन्न हुई। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि गो सेवा आयोग उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल, विशिष्ट अतिथि विक्रमजोत के ब्लॉक प्रमुख कृष्ण कुमार सिंह और पूर्व ब्लॉक प्रमुख योगेन्द्र सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके किया। खंड शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में अतिथियों का स्वागत किया गया। प्राथमिक विद्यालय तेनुआ की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि ग्राम प्रधान एवं प्रधानाध्यापकों के समन्वय से ही संभव है। उन्होंने डीबीटी, शारदा, विद्यालय प्रबंध समिति, ऑपरेशन कायाकल्प, निपुण भारत मिशन, आईसीटी लैब, बालिका शिक्षा, स्मार्ट क्लास आज के बारे में विस्तार से बताया। उन्मुखीकरण के संदर्भदाता एआरपी सन्तोष कुमार शुक्ल, रवीश कुमार मिश्र, मनोज मिश्र, काशीराम वर्मा और राजीव शुक्ल ने कायाकल्प, निपुण भारत मिशन, बालिका शिक्षा, समावेशी शिक्षा आदि पर विस्तार से बताया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रधानों और प्रधानाध्यापकों को अतिथियों द्वारा अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। नवोदय परीक्षा में सफल होने पर कंपोजिट विद्यालय बड़ेरिया कुंवर की चार छात्राओं प्रीति मौर्या, अंजलि प्रजापति, नव्या शर्मा, खुशी वर्मा और उनके शिक्षक अशोक वर्मा, आकांक्षा सिंह तथा प्राथमिक विद्यालय नारायनपुर प्रथम के दो छात्र आदित्य, रितिका और उनके शिक्षक रामजी वर्मा, दिनेश वर्मा को भी सम्मानित किया गया। 100 सेकेंड में 195 देशों का नाम बताने में वाली शंभुपुर विद्यालय की छात्रा दीपांशी तथा प्रधानाध्यापक प्रशान्त मणि सिंह को भी सम्मानित किया गया। आगामी 31 मार्च को सेवानिवृत्त हो रहे हरैया ब्लाक के तीन शिक्षकों अनिल सिंह, माया गुप्ता और चंद्रशेखर ओझा को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन धनीश त्रिपाठी और योगेश सिंग ने किया। आलम चौधरी, अर्जुन सिंह, परशुराम सिंह मुन्ना, पिंटू चौहान, अशोक शुक्ल, प्रभात सिंह, तुलसीराम वर्मा, राधिका यादव, राजकुमार तिवारी, राम सागर वर्मा, विकास पाण्डेय, राम पियारे, श्रवण कुमार, गिरिजेश बहादुर सिंह, विवेक कान्त पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान और शिक्षक उपस्थित रहे।

–ब्लाक स्तरीय जनप्रतिनिधियों, प्रधानाध्यापकों के उन्मुखीकरण का आयोजन

गृहकर, जलकर व लाइसेंस शुल्क वृद्धि के खिलाफ व्यापारियों ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर में गृहकर, जलकर एवं लाइसेंस शुल्क में हुई बेतहाशा वृद्धि के विरोध में बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नेतृत्व में व्यापारियों ने नगर पालिका परिषद कार्यालय के सामने धरना–प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान नाराज व्यापारियों ने नगर पालिका अध्यक्ष व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

धरने की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता ने की, जबकि संचालन जिला संयोजक सूर्य कुमार शुक्ल द्वारा किया गया। इस दौरान व्यापारियों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका में भ्रष्टाचार व्याप्त है और मनमाने तरीके से टैक्स में वृद्धि कर आम नागरिकों व व्यापारियों पर आर्थिक बोझ डाला जा रहा है।

मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि गृहकर और जलकर में की गई बढ़ोतरी को तत्काल वापस लिया जाए। साथ ही नगर पालिका द्वारा लागू किया गया नया लाइसेंस शुल्क भी अवैधानिक बताते हुए उसे निरस्त करने की मांग की गई। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही निर्णय वापस नहीं लिया गया तो संगठन बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होगा।

धरने में कमल जायसवाल, शेष नारायण गुप्ता, रंजीत श्रीवास्तव, प्रभात सोनी, डब्लू श्रीवास्तव, लालजी सिंह, कृपा शंकर त्रिपाठी, गौरव साहू समेत सैकड़ों व्यापारी मौजूद रहे।

टेट के सवाल को लेकर शिक्षक भेज रहे हैं पातीः निर्णायक आन्दोलन की तैयारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। टेट की अनिवार्यता समाप्त किये जाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक संघ के आवाहन पर शिक्षकों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश, मुख्यमंत्री (उ.प्र.), नेता प्रतिपक्ष भारत और यूपी को शिक्षकों की पाती भेजने का सिलसिला सोमवार को भी जारी रहा। शिक्षकों ने पाती भेजकर मांग किया कि टेट की अनिवार्यता को तत्काल प्रभाव से समाप्त कराया जाय।

यह जानकारी देते हुये उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष एवं अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक संघ के संयोजक उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि सोमवार को ब्लॉक संसाधन केन्द्र परशुरामपुर में एसएमसी की बैठक में उपस्थित शिक्षकों को संगठन के संरक्षक सतीश शंकर शुक्ल, कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र कुमार द्विवेदी ने संबोधित करते हुए टेट के सवाल को लेकर आन्दोलन तेज करने और परस्पर जागरूकता और एकजुटता पर जोर दिया। कहा कि चरणबद्ध आन्दोलनों में हिस्सेदारी से निश्चित रूप से सरकार पर दबाव बनेगा और निर्णय वापस होगा।

संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि पदाधिकारी हस्ताक्षर कराने के साथ ही आगामी 13 अप्रैल को जनपद स्तर पर मशाल जुलूस और 3 मई को लखनऊ में आयोजित महारैली में हिस्सा लेने के लिये प्रेरित कर रहे हैं। शिक्षकों की पाती पर हस्ताक्षर कराकर सम्बंधित को डाक और ई मेल से भेजा जा रहा है। इसके साथ ही जनपद के अनेक अनेक हिस्सों में शिक्षकों द्वारा पाती भेजी जा रही है। सफलता मिलने तक आन्दोलन जारी रहेगा ।

यह जानकारी देते हुये जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि जनपद के सभी विकास खण्डों में शिक्षक पाती भेजने का अभियान जारी रखे हुये हैं। पाती भेजो अभियान में राजीव पाण्डेय, संतोष मणि तिवारी, सुरेन्द्र कुमार तिवारी, बद्री विशाल पाण्डेय, सुनील पाण्डेय, रवीन्द्र नाथ, भगवानदास, पंकज श्रीवास्तव, पवित्री मिश्रा, नीतू पाण्डेय, राम ललित, अरविंद पाण्डेय , श्रीराम यादव, ओम प्रकाश, सुनील श्रीवास्तव, बृजेश कुमार, प्रतिभा निषाद, शिवदीन, अजीत पाण्डेय, अनिल गुप्ता, विनय पाण्डेय, सुनील तिवारी, राजीव पाण्डेय मंत्री, राजकमल मिश्र, राम ललित, सौम्या चक्रवर्ती, अजय पाण्डेय विष्णु कुमार मांझी, पल्लवी, रीमा यादव, विवेक वर्मा, नीरज पाण्डेय, पूजा देवी, महेश यादव के साथ ही अनेक शिक्षकों ने योगदान दिया।

–संघर्ष और एकजुटता से होगा टेट समस्या का समाधान — उदयशंकर शुक्ल

समाजवादियों ने डॉ. राम मनोहर लोहिया को जयन्ती पर किया नमनः योगदान पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव को उनके बलिदान दिवस पर याद करने के साथ ही स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी, प्रखर चिन्तक समाजवादी विचारक डॉ. राम मनोहर लोहिया को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। उनके चित्र पर माल्यार्पण करते हुये वक्ताओं ने कहा कि डॉ. लोहिया ने विश्व–नागरिकता का सपना देखा था। जनता को वह जनतंत्र का निर्णायक मानते थे।

डॉ. लोहिया को नमन करते हुये पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय ने कहा कि डा. लोहिया मानव की स्थापना के पक्षधर समाजवादी थे। उनका मानना था कि सरकार चाहे लड़ती रहे मगर हिंदू और मुसलमानों को एक हो जाना चाहिए डॉक्टर लोहिया ने न्याय उदारता और दृढ़ता से हिंदू मुसलमानों के विनाश के कारणों को ढूंढने तथा उनका समाधान करने की प्रेरणा दी ।

–जनता को जनतंत्र का निर्णायक मानते थे डॉ. राम मनोहर लोहिया

विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल, दयाशकर मिश्र, समीर चौधरी, मो. स्वाले, मो. सलीम, आर.डी. निषाद, राजेश यादव, पूर्व विधायक रामजियावन, अनिल निषाद, अभिषेक यादव, मंशाराम कन्नौजिया आदि ने कहा कि डा. लोहिया के जीवन से युवा पीढी को प्रेरणा लेनी चाहिये कि किस प्रकार से उन्होने विषम परिस्थितियों में समाजवाद की अलख को जगाये रखा। कहा कि डॉ राम मनोहर लोहिया की दृष्टि में भारत को सुधारने और उसे प्रगति की राह पर लाने का एकमात्र रास्ता समाजवाद था उनके समाजवाद संबंधी विचारों का उल्लेख उनकी पुस्तकों में मिलता है। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिये। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये जावेद पिण्डारी ने कहा कि देश में बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, छात्र–छात्राओं में हताशा की स्थिति और आए दिन राजनीतिक परिदृश्य में परिवर्तन इस ओर इशारा करती हैं कि राम मनोहर लोहिया की समाजवादी विचारधारा आज भी प्रासंगिक है। कार्यक्रम में हरेश्याम विश्वकर्मा, जमील अहमद, विश्म्भर चौधरी, सुरेन्द्र सिंह छोटे, रन बहादुर यादव, अजीत सिंह, प्रशान्त यादव, तूफानी यादव, विवेक यादव, रमेश गौतम, डा. राजेश कुमार, नितराम चौधरी, गिरीश चन्द्र, घनश्याम यादव, लालमन, रणजीत रिन्टू यादव, रजनीश यादव, विलाल अहमद, अकबर अली, अरविन्द यादव, गुलाम गौस, राजेन्द्र यादव, सौरभ मिश्र, राहुल सिंह, हरीश, मोनू यदुवंश, वीरेन्द्र यादव, शकुन्तला चौरसिया, राम सुरेश यादव, जोखू लाल, अशोक यादव के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

सिटी पब्लिक स्कूल में विजेताओं को पुरस्कृत कर बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सिटी पब्लिक स्कूल गनेशपुर के बच्चों में लेखन प्रतियोगिता और गणित ओलंपियाड की प्रतियोगिता कराई गई। इसमें प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्य प्रिया शुक्ला डायरेक्टर अमित शुक्ला प्रबंधक उदय शंकर शुक्ला ने प्रमाण पत्र वितरण किया। उन्होने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि सिटी पब्लिक स्कूल के छात्र सभी विषयों में अच्छा ज्ञान अर्जित करें इसका पूरा प्रबन्ध किया गया है। साथ ही उनके बीच रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाता है जिससे वे किताबी ज्ञान के साथ ही व्यवहारिक में भी दक्ष होकर देश के सुयोग्य नागरिक बने।

एलकेजी और यूकेजी के नन्हे–मुन्ने विद्यार्थियों को लेखन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया। वहीं कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों को गणित ओलंपियाड में शानदार उपलब्धि के लिए पुरस्कृत कर हौसला बढाया गया। प्रतियोगिता में करण, वीर, नैना, अफजल, सैफुद्दीन, शिवांश, श्रेया, खुशी, मनीषा, विपिन, प्रिंस, आर्यन, आकांक्षा, आराध्या, वीर, एवं अन्य बच्चों ने अपनी विशेष जगह बनाकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 24 मार्च 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

युद्ध के खतरे और भारत

पश्चिम एशिया में ईरान पर इजराइल और अमेरिका के हमले के बाद दिनोंदिन हालात जटिल होते जा रहे हैं। साफ है कि युद्ध का प्रत्यक्ष असर भले ही हमले की जद में आए देशों में पड़ रहा हो, लेकिन इसकी वजह से अब दूसरे वैसे देश भी प्रभावित होने लगे हैं, जो अपनी कई जरूरतों के लिए मध्यपूर्व के देशों पर कम या ज्यादा निर्भर हैं। उदाहरण के तौर पर ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, तब से उस रास्ते से तेल और गैस लेकर जाने वाले लगभग सभी देशों के जहाजों का भी रास्ता बंद है। कुछ खास स्थितियों में आंशिक इजाजत दी जा रही है, लेकिन उसके सहारे आने वाले दिनों के व्यापक संकट को लंबे समय तक नहीं टाला जा सकता है।

तेल और गैस की आपूर्ति में भारी कमी की वजह से उपजे मुश्किल से निपटने के लिए भारत ने रूस सहित अन्य विकल्पों की ओर रुख किया है, मगर इससे स्थितियों को सामान्य बनाने में सीमित मदद ही मिलेगी। यह बेवजह नहीं है कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच भारत में भी उच्च श्रेणी के पेट्रोल में करीब दो रुपए और औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को बेचे जाने वाले डीजल में बाईस रुपए की बढ़ोतरी की गई। हालांकि सामान्य पेट्रोल और डीजल की मौजूदा कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि आने वाले कितने दिनों तक इनके दाम स्थिर रहेंगे। मसलन, अगर भारी उद्योगों और बड़ी मशीनों के संचालन में इस्तेमाल में आने वाले औद्योगिक डीजल की कीमतों में खासी बढ़ोतरी हुई है, तो इसका सीधा प्रभाव उत्पादन की लागत पर पड़ेगा। ऐसे में जब औद्योगिक कंपनियों के मुनाफे में कमी आएगी, तो स्वाभाविक रूप से इसके असर से कई अन्य सामान महंगे हो सकते हैं।

रसोई गैस सिलेंडरों की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित होने के कारण लोगों को पहले ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में आम उपयोग के पेट्रोल–डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी होती है, तो यह कोई हैरानी की बात नहीं होगी। इसके बाद इसका असर माल ढुलाई पर पड़ेगा और बाजार में खाने–पीने की चीजों की महंगाई भी बढ़ सकती है।

दरअसल, भारत अपनी जरूरत के कच्चे तेल और गैस के लिए खाड़ी देशों से होने वाली आपूर्ति पर काफी हद तक निर्भर है। जब से ईरान और इजराइल–अमेरिका के बीच युद्ध की शुरुआत हुई है, उसके बाद भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में वहां से कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति पर व्यापक असर पड़ा है।

एक ओर प्रभावित देशों की ओर से यह उम्मीद की जा रही है कि किसी भी हाल में वार्ता के जरिए समस्या का हल निकाला जाए और युद्ध रुके, ताकि प्रभावित देशों में स्थिति और ज्यादा न बिगड़े। दूसरी ओर, हालत यह है कि अब युद्ध में शामिल दोनों पक्षों की ओर से बड़े पैमाने पर तेल ठिकानों को भी निशाना बनाया जाने लगा है और व्यापक तबाही सामने आ रही है। जाहिर है, इससे सीधे तौर पर मध्यपूर्व के देशों से अन्य देशों के लिए तेल और गैस की आपूर्ति ठप पड़ेगी तथा इससे संकट का दायरा और विस्तृत होगा।

भारत के सामने जो हालात पैदा हो रहे हैं, उसमें सरकार को हर स्तर पर कूटनीतिक पहल करके कच्चे तेल और रसोई गैस की आपूर्ति का रास्ता तैयार करने को प्राथमिकता देने की जरूरत है। अगर इस मोर्चे पर टालमटोल का रुख अख्तियार किया गया, तो आने वाले दिनों में संकट का अंदाजा लगाया जा सकता है।

किसी क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, प्राकृतिक संसाधन, समुद्री मार्ग, पर्वत, रेगिस्तान और सीमाएं यह तय करती हैं कि वहां की राजनीति, सुरक्षा नीति और कूटनीति किस दिशा में विकसित होगी। दक्षिण–पश्चिम एशिया, दक्षिण–पूर्वी यूरोप और उत्तर–पूर्वी अफ्रीका तक विस्तारित मध्यपूर्व की कोई स्पष्ट और सर्वमान्य भौगोलिक सीमा नहीं है। भौगोलिक जटिलताओं से प्रभावित इस क्षेत्र में इतिहास, धर्म और बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों ने वैश्विक राजनीति को गहराई से प्रभावित किया है। ऊर्जा संसाधनों की प्रचुरता, सामरिक समुद्री मार्गों की उपस्थिति और महाशक्तियों के परस्पर हितों के टकराव ने मध्यपूर्व की राजनीतिक परिस्थितियों को और जटिल बना दिया है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि स्थितियां कब सहज होंगी।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की दशा–दिशा

–कमलेश पाण्डेय–

देश के पश्चिम बंगाल समेत असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी जैसे 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, जिसके मतदानध्परिणाम भाजपा नीत एनडीए की भावी रीति–नीति और सवर्णों के सामाजिक–राजनीतिक भविष्य को तय करेंगे। बताया जाता है कि यदि इन चुनावों को भाजपा नीत गठबंधन जीत जाता है तो वह ओबीसी–दलित वोटरों को रिझाने के लिए सवर्ण विरोधी एजेंडों को इत्मीनान पूर्वक ध ार देगा!

ऐसा इसलिए कि सामान्य जातियों से जुड़े सवर्ण वोटर ही भाजपा के कोर वोटर माने जाते हैं, लेकिन ओबीसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के रहते हुए भी जिस तरह से सवर्ण विरोधी यूजीसी इक्विटी बिल लाया गया है, उससे सामान्य जातियों के लोग अर्थात सवर्ण समुदाय का एक बड़ा तबका अपनी मुख्य पार्टी भाजपा से काफी नाराज हैं और बदलती राजनीति के बीच वे किधर करवट लेंगे, यह बात पूरी तरह से चुनाव परिणाम आने के बाद ही पता चलेगा।

राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि अपने हिंदुत्व के एजेंडे को धार देने के लिए भाजपा कांग्रेसी राज और समाजवादी राज की दलित, ओबीसी, अल्पसंख्यक व भाषाई क्षेत्र सम्बन्धी नीतियों को और अधिक धार दे रही है। आरक्षण, जातीय जनगणना, एससी–एसटी एक्ट से जुड़े पदोन्नति प्रावधान, कमाऊ मंदिर संचालन जैसी नीतियों में पहले की सरकारों में और अब की सरकार में कोई अंतर नहीं आया है।

कोढ़ में खाज यह कि भाजपा अपने हिंदुत्व के एजेंडे से भटकती प्रतीत हो रही है। ऐसे में सत्ता के जातीय, सांप्रदायिक और भाषाई–क्षेत्रवाद की मानसिकता में कोई बदलाव न देख देश का सामाजिक इंजन वर्ग यानी सवर्ण समुदाय भाजपा से काफी नाराज है और यूजीसी इक्विटी बिल ने आग में घी का काम किया है।

चूंकि सवर्ण वोट कभी कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दलों का भी कोर वोट बैंक हुआ करता था, और इनकी दलित–ओबीसी आरक्षण व अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की नीतियों से आजिज होकर भाजपा के आकर्षक मंडल विरोधी कमण्डलवाद पर फिदा हो चुका था, वह मोदी–शाह युग में एक के बाद दूसरे झटके लगते रहने से सियासी विकल्प ढूंढ रहा है। चूंकि भाजपा नेतृत्व पूंजीपतियों के इशारे पर ब्राह्मण–राजपूत नेतृत्व को दरकिनार करते हुए ओबीसी–दलित नेतृत्व को मजबूत कर रहा है, इससे भी सवर्ण वर्ग में नाराजगी है।

यही वजह है कि 5 राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और उसके सहयोगी दल भाजपा के खिलाफ पनपे सवर्ण प्रतिरोध को पूरी तरह से अंदर ही अंदर भुनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि उनका दलित– ओबीसी– अल्पसंख्यक कोर वोट बैंक नाराज भी न हो और सवर्ण भी उनकी ओर लौट जाएं, ताकि अबतक की हारी हुई बाजी को पुनः जीता जा सके और यत्र तत्र जीती हुई बाजी को बरकरार रखाक जा सके! हालांकि, अब वे अपनी कोशिशों में कितने कामयाब होंगे, यह तो मतदानध मतगणना बाद ही पता चल पाएगा।

वहीं, कतिपय राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि देश के पश्चिम बंगाल समेत असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी जैसे 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के चुनाव परिणाम सवर्णों के सामाजिक–राजनीतिक भविष्य को तय नहीं करेंगे, भले ही भाजपा इन चुनावों में पश्चिम बंगाल और असम जीत जाए और तमिलनाडु, केरल व पुड्डुचेरी में पहले से ज्यादा मजबूत होकर जीते। क्योंकि यूजीसी इक्विटी बिल के बाद उपजे सवर्ण जनाक्रोश को डैमेज–कंट्रोल करने के लिए भाजपा–आरएसएस के रणनीतिकार जुट गए हैं, हालांकि उन्हें भी यह आशंका है कि ये चुनाव भाजपा के सवर्ण वोट बैंक के लिए महत्वपूर्ण परीक्षा की घड़ी हैं! वहीं, भाजपा की ओर कितने दलित–ओबीसी वोटर लौटते हैं, इससे भाजपा को सियासी तंदुरुस्ती मिलेगी।

भाजपा की सवर्ण लॉबी का कहना है कि अब भी सवर्ण वोट पार्टी के कोर सपोर्टर बने हुए हैं, क्योंकि उनके पास भाजपा से उम्दा विकल्प मौजूद नहीं है। जबकि भाजपा अपनी चुनावी जीत के लिए दलित, आदिवासी और ओबीसी वोटों पर ही निर्भर करती है। इसलिए वह सभी समुदायों के बीच राष्ट्रवादी तालमेल बिठाने में जुटी हुई है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मुस्लिम देश, भारत के खिलाफ नहीं खड़े हों, इसलिए भाजपा ने भी कुछ बदलावों के साथ अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की नीतियों को अपना लिया है।

मसलन, यदि 5 राज्यों में हो रहे चुनावों की चुनावी पृष्ठभूमि पर नजर डाली जाए तो 2026 में पश्चिम बंगाल की 294 सीटों के लिए मतदान 23–29 अप्रैल 2026 को होंगे। वहीं असम की 126 विधानसभा सीटों, तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों, केरल की 140 विधानसभा सीटों और पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों के लिए भी चुनाव होंगे। इन चुनावों में भाजपा मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल और असम पर फोकस कर रही है। क्योंकि जहां पिछले विधानसभा चुनाव 2021 में पश्चिम बंगाल में बीजेपी को 77 सीटें मिलीं थी। वहीं, असम में भाजपा की सत्ता बरकरार रहा गई थी और अभी वहां भाजपा सत्तारूढ़ पार्टी है।

इसलिए, जहां तक पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सवर्णों की भूमिका की बात है तो भाजपा को सवर्ण यानी ब्राह्मण, कायस्थ, वैद्य आदि से मजबूत समर्थन मिलता बताया जा रहा है। यद्यपि राष्ट्रीय स्तर पर सभी जातियों व धर्मों को मिलाकर 61: सवर्ण वोट हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में भाजपा श्5: हिंदू वोट फॉर्मूलाश से सवर्णों को श्सनातनीश के रूप में साध रही है। जबकि पश्चिम बंगाल में टीएमसी के नेतृत्व में सूबाई सत्ता के शीर्ष पर सवर्ण कायम हैं, जबकि जीत के पीछेअल्पसंख्यक–दलित–आदिवासी–ओबीसी वोट मुख्य हैं।

इसलिए भाजपा भी पश्चिम बंगाल में सवर्णों को टीएमसी की सत्ता से खींचकर अपनी ओर करना चाहती है और ओबीसी–दलित–आदिवासी वोटरों को भी अपने पाले में करने में जुटी हुई है, जबकि अल्पसंख्यक वोटों के रायता फैलाने हेतु उसके गुप्त इशारे पर वहां की लोकल अल्पसंख्यक पार्टी ताल ठोक चुकी है। वहीं बंगाल अस्मिता का सवाल कितना मुखर होगा, घुसपैठियों का मुद्दा कितना रंग लाएगा, वह मतदान ट्रेंड और चुनाव परिणाम से ही पता चलेगा।

वहीं, जहां तक पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत के परिणाम की बात है तो भाजपा की जीत से सवर्णों का राजनीतिक प्रभाव बढ़ेगा, लेकिन उनका सामाजिक भविष्य भाजपा की राष्ट्रीय नीतियों यथा– आरक्षण, जाति जनगणना आदि पर ही निर्भर करेगा। वहीं, असम में भी यही बातें लागू होंगी, क्योंकि वहाँ तो भाजपा पहले से ही सत्ता में है। वहीं, तमिलनाडु और केरल में सवर्ण प्रभाव कम है, इसलिए 5 राज्यों की जीत से सवर्ण गठबंधन मजबूत होगा, न कि सवर्णों का राजनीतिक–सामाजिक भविष्य तय होगा। उत्तरप्रदेश, बिहार, मध यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात आदि के भावी विधानसभा और आम चुनाव 2029 के रुझान, मतदान और चुनाव परिणाम वास्तविक तौर पर सवर्णों के सामाजिक और राजनीतिक भविष्य को तय करेंगे।यही वजह है कि भाजपा की पश्चिम बंगाल में जीत से सवर्ण ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर भी सीधा असर पड़ने की संभावना कम है, क्योंकि यह केंद्र सरकार के नीति क्षेत्र में आता है। राज्य स्तर पर भाजपा सवर्ण समर्थन को मजबूत करने वाली नीतियां ला सकती है, लेकिन 10: आर्थिक रूप से कमजोर सवर्ण आरक्षण राष्ट्रीय कानून है। यदि इसे पश्चिम बंगाल में भी लागू करवाया जाता है तो यह और भी अच्छी बात होगी।

जहां तक वर्तमान आरक्षण स्थिति की बात है तो पश्चिम बंगाल में वर्तमान आरक्षण 39: हैं, जिसमें अनुसूचित जाति 22:, अनुसूचित जनजाति 6:, अन्य पिछड़ा वर्ग 10:, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग 1: है, जो 50: की अनुमन्य सीमा से 11: कम है। चूंकि भाजपा केंद्र में ईडब्ल्यूएस आरक्षण को साल 2019 से लागू कर चुकी है, जो सवर्णों के लिए आर्थिक आधार पर है, जाति आधार पर नहीं। यही वजह है कि भाजपा यदि पश्चिम बंगाल की सत्ता में आती है तो इसका संभावित प्रभाव राज्य नीति पर भी पड़ेगा।

चर्चा है कि पश्चिम बंगाल की जीत पर भाजपा ईडब्ल्यूएस कोटा बढ़ा सकती है और सवर्ण–केंद्रित योजनाएं जो शिक्षा, नौकरी से जुड़ी हैं, वहां ला सकती है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की 50: सीमा बाधा बनेगी। जहां तक राजनीतिक बात है तो पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से सवर्ण वोट मजबूत होंगे, लेकिन दलित–ओबीसी विरोध बढ़ सकता है, जैसा यूजीसी नियमों पर देखा गया। इसका राष्ट्रीय लिंक यह है कि पश्चिम बंगाल की जीत भाजपा नीत एनडीए को मजबूती देगी, जिससे संसदीय बहुमत से ईडब्ल्यूएस विस्तार संभव है, पर सुप्रीम कोर्ट की चुनौती बनी रहेगी।

चुनाव पूर्व सर्वे के रुझान चुगली कर रहे हैं कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में सवर्ण वोटर भाजपा के लिए कोर समर्थन आधार बने रहेंगे, लेकिन उनकी भूमिका निर्णायक से अधिक सहायक होगी। ताजा ओपिनियन पोल्स के अनुसार, सवर्ण हिंदू वोटों का लगभग 33: भाजपा को मिल सकता है, जबकि 20: अभी अनिर्णय की स्थिति में है, यानी अनडिसाइडेड हैं। जहां तक सवर्ण वोटों के आकार की बात है तो पश्चिम बंगाल में हिंदू सवर्ण यानी ब्राह्मण, कायस्थ, वैश्य मतदाता, कुल मतदाताओं का करीब 15–20: हैं, जो मुख्यतः शहरी और अर्ध–शहरी क्षेत्रों में बसते हैं। भाजपा इन्हें श्सनातनी एकताश के जरिए साध रही है, और 2021 के विधानसभा चुनाव में 68: हिंदू वोट, जिनमें सवर्ण वोट प्रमुख रहे, भाजपा को मिले थे, जिससे वह 77 सीटें जीत पाई है।

तेज होती हथियारों की होड़ और विश्व व्यवस्था

–ललित गर्ग–

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि–संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस–यूक्रेन युद्ध और चीन–ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल–डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल–डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंततः नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है।

हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बढ़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द–गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन देता है, वही वास्तव में शक्तिशाली देश होता है। युद्ध और हथियार केवल विनाश लाते हैं, विकास नहीं।

युद्ध और कला, संस्कृति का नुकसान

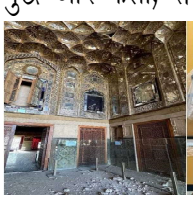

–ज्योति मल्होत्रा–

दुखद है कि युद्ध व संघर्ष में कला–संस्कृति व पुरातत्व से जुड़ी चीजों को भारी कीमत चुकानी पड़ती है। देश के बंटवारे के परिणाम स्वरूप हुई अदला–बदली में सांस्कृतिक कलाकृतियां का भी भारी नुकसान हुआ। ईरान भी हालिया युद्ध की कीमत चुका रहा है। चंडीगढ़ के सेक्टर–9 में दिन–दहाड़े हुई एक हत्या को लेकर पिछले कुछ दिनों से शहर हिला और सहमा हुआ है। शहर का वह हिस्सा, जो अपने लाल सुर्ख बोगनवेलिया फूलों के लिए बेहतर जाना जाता है न कि गोलियों की बौछार के बाद स्थानीय गैंगस्टर के बिखरे लाल लहू के रंग से। चूंकि घटना के कई निष्कर्ष हो सकते हैं, बेहतर होगा कि हम आगे बढ़ें और पास के सेक्टर–10 की बात करें। यहां पिछले कुछ महीनों से ली कॉर्बूजिए द्वारा डिजाइन सरकारी संग्रहालय और आर्ट गैलरी में एक अलग किस्म की हिंसा जारी है। गनीमत है कि यहां जंग जुबानी रहीकृवह जगह जो कभी पंजाब के सबसे बड़े संस्कृति एवं कला विद्वान, बी.एन. गोस्वामी का अड्डा हुआ करती थीकृवह नवीनीकरण योजना के कारण अब थमती नजर आ रही है, जिसे हाल में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को सौंपा गया हैय जिसकी लागत 30 करोड़ रुपये अनुमानित है।

जब आपके आस–पास हर तरफ अफरा–तफरी मची हो, जिसमें ईरान के इस्फहान और खरग द्वीप पर हुई बमबारी भी शामिल है (ये दुनिया के दो सबसे खूबसूरत शहरों में से हैं, तुर्रा यह कि बमबारी दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र, अमेरिका द्वारा की जा रही है)कृतो आप सवाल पूछ सकते हैं, क्या एक संग्रहालय मायने रखता है? या, क्या एक संस्कृति मायने रखती है? क्या तेल की कीमतों को कम रखना ज्यादा जरूरी है? शायद इसीलिए कहा जा रहा है कि अमेरिकी अब खरग द्वीप पर कब्जा करने पर विचार कर रहे हैं, ताकि ईरानियों पर दबाव डालकर 'होर्मुज जल–डमरू' को फिर से खोला जा सके, जिससे होकर दुनिया का एक–तिहाई तेल गुजरता है। दरअसल, खरग द्वीप पर तेल–शोध ान का एक विशाल संयंत्र है, जिसके माध्यम से ईरान के कुल निर्यात का 90 प्रतिशत तेल साफ किया जाता है। 13 मार्च को हुई बमबारी में, ट्रंप ने तेल सुविधाओं को बख्श दिया था। लेकिन जैसे–जैसे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं, ऐसी अफवाहें हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान को जल्द घुटने टेकने पर मजबूर करने को और भी कड़े कदम उठा सकते हैं।

केवल पांच मील लंबा होने के कारण, खरग द्वीप को एक आकर्षक विकल्प माना जा रहा है। उल्लेखनीय कि यह टापू 500 साल पुराने एक पुर्तगाली मठ का भी स्थान हैकृकुछ लोगों का मानना है कि इसका श्रेय 1507 में एशिया में पुर्तगाली साम्राज्य की नींव रखने वाले जनरल अल्फोंसो डी अल्बुकर्क को है। गोवा को भी अल्बुकर्क ने 1510 में बीजापुर के सुल्तान से लिया था। इसके महज 16 साल बाद, 1526 में, यहीं उत्तर भारत में, फरगना के तैमूरी शहजादे जहीरुद्दीन मुहम्मद बाबर ने पानीपत में अपने ही एक मुस्लिम बिरादर, इब्राहिम लोदी को हराकर, जल्द ही खुद को हिंदुस्तान का बादशाह घोषित कर डाला था।आज जब हमारे टीवी स्क्रीन पर युद्ध के विस्फोटों के दृश्य चल रहे हैं, तो साम्राज्यों के उदय और पतन और उससे जुड़ी हिंसा को समझना ज्यादा आसान हो जाता है। पंजाब भारत के उन दो राज्यों में से एक है (दूसरा है बंगाल), जिसकी गहरी यादें विभाजन की बर्बरता से जुड़ी हैं।

टीबी उन्मूलन में जनभागीदारी जरूरी: विश्व टीबी दिवस से पहले निकली जन–जागरूकता रैली

संवाददाता–देवरिया। विश्व टीबी दिवस से पूर्व जन–जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। 24 मार्च को मनाए जाने वाले विश्व टीबी दिवस के अवसर पर सोमवार को पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज परिसर से यह रैली निकाली गई। इसे जिलाधिकारी दिव्या मित्तल और मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में विद्यालय के छात्र–छात्राओं और स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों ने भाग लिया। इसमें टीबी के बैक्टीरिया और टीबी चौंपियन के प्रतीकात्मक पुतले भी शामिल किए गए, जो आकर्षण का केंद्र रहे। जन–जन का हो एक ही नारा, टीबी मुक्त हो देश हमारा के संदेश के साथ यह रैली कोतवाली रोड, जिलाधिकारी आवास, सिविल लाइन, बस स्टैंड और सीएमओ कार्यालय से होते हुए टीबी क्लिनिक पर समाप्त हुई।

इस अवसर पर जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने टीबी उन्मूलन में जनभागीदारी को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि जिले को टीबी मुक्त बनाने के लिए प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग मिलकर प्रयास कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि टीबी से होने वाली मृत्यु दर में कमी आई है। उन्होंने लोगों से समय पर जांच और उपचार से इस बीमारी को खत्म करने की अपील की।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि सरकार टीबी उन्मूलन के लिए नई तकनीकों और संसाधनों का उपयोग कर रही है। जिले में टीबी मरीजों की सक्रिय खोज की जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि 24 मार्च को टीबी मुक्त हुए 192 ग्राम पंचायतों के प्रधानों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य शिविर और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होंगे।

इस कार्यक्रम में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. राजेश कुमार, डिप्टी सीएमओ डॉ. अश्वनी पांडेय, डॉ. विपिन रंजन, प्रधानाचार्य राम किंकर मिश्रा सहित कई अधिकारी, स्वास्थ्यकर्मी और विद्यार्थी उपस्थित थे।टीबी के प्रमुख लक्षणों में लगातार दो सप्ताह से खांसी, खांसी में खून आना, सीने में दर्द, वजन कम होना, बुखार, रात में पसीना और थकान शामिल हैं। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत जांच करानी चाहिए।

नेपाल की तिनाउ नदी में डूबे संतकबीरनगर के दो किशोरों के शव बरामद

संवाददाता–महराजगंज। नेपाल के पाल्पा जिले में तिनाउ नदी में रविवार को डूबे संतकबीरनगर जिले के दोनों किशोरों के शव सोमवार को बरामद हो गए। पहले अमान, फिर छुछे देर बाद फरहान का भी शव मिल गया। नेपाल पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना देकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कराई। यह घटना तिनाउ गाउंपालिका–3 स्थित जलविद्युत बांध क्षेत्र की है। संतकबीरनगर के मेंहदावल के ठाकुरद्वार नगर पंचायत से सात दोस्तों का एक समूह रविवार को पाल्पा घूमने नेपाल आया था। सभी युवक नदी के बांध क्षेत्र में नहाने लगे, तभी अचानक तेज बहाव व गहराई की चपेट में आने से अमान अंसारी व फरहान अंसारी डूबकर लापता हो गए।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस व गोताखोरों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया।100 मीटर दूर मिला अमान का शवसोमवार सुबह घटनास्थल से करीब 100 मीटर नीचे 17 वर्षीय अमान अंसारी निवासी मेंहदावल का शव बरामद हुआ। उसके साथ डूबे 17 वर्षीय फरहान अंसारी का शव भी कुछ देर बाद बरामद हो गया। नेपाल पुलिस व स्थानीय लोग नाव व गोताखोरों की मदद से दोनों को ढूंढने के लिए रविवार से ही नदी में सर्च अभियान चला रहे थे। हादसे के बाद सुरक्षित बचे पांच अन्य साथी सदमे में हैं। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है।तिनाऊ नदी में डूबे दो भारतीय किशोर युवकों का शव बरामद कर लिया गया है। दोनों यूपी के संतकबीर नगर जिले के निवासी बताए गए हैं। परिजनों को घटना की सूचना देकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कराई गई। जलविद्युत परियोजना के बांध के पास पानी की गहराई अधिक व बहाव अनियमित रहता है। पर्यटकों व स्थानीय लोगों से अपील है कि ऐसे संवेदनशील स्थानों पर पानी में उतरने का जोखिम न लें।होमप्रकाश चौधरी, डीएसपी, जिला प्रहरी कार्यालय, पाल्पा, नेपाल

चकबंदी में धांधली का आरोप, ग्रामीणों ने तहसील पर किया प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल तहसील के गांव बैठवलिया में चल रही चकबंदी प्रक्रिया में चकबंदी विभाग पर धांधली का आरोप लगाकर ग्रामीण लामबंद हो गए हैं। ग्रामीणों ने आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष जाहिद अली के नेतृत्व में सोमवार को तहसील पर प्रदर्शन कर डीएम को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने इस मामले में जांच कर आगे की कार्रवाई करने की मांग की। आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष जाहिद अली ने बताया कि बैठवलिया गांव में चकबंदी प्रक्रिया चल रही है। आरोप है कि चकबंदी प्रक्रिया में विभाग के कुछ जिम्मेदार मनमानी करते हुए जमकर धांधली कर रहे हैं। इस मामले में प्रशासन को कई बार शिकायती पत्र दी जा चुकी है। इसके बाद भी उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। चकबंदी के जिम्मेदार सेक्टर 25 में बिना पैमाइश किए ही रकबे से अधिक जमीन को भी कुछ लोगों में दे दिया गया है। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री से करने पर एसडीएम की ओर से जांच की गई थी। इसमें पाया गया कि 37 एकड़ भूमि गडबड़ है। मामले में जांच के बाद सहायक चकबंदी अधिकारी को निलंबित किया जा चुका है। लेकिन मुख्य रूप से दोषी लेखपाल और कानूनगो के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों की मांग है कि किसानों का 19.83 एकड़ भूमि उन्हें देने के साथ ही बचत की भूमि को सरकार के खाते में दे दी जाय। इन लोगों ने मांग पूरा नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है। इस मौके पर धीरेन्द्र उर्फ भोलू, कन्हैया लाल जायसवाल, विकास, नंदू, मैनुद्दीन, रामसंवारे, मुन्ना, मनीष, शैलेश आदि मौजूद रहे।

शौच के लिए जा रही महिला पर तेंदुए ने मारा झपट्टा, अन्य महिलाओं ने लोटे से ताबड़तोड़ प्रहार कर बचाई जान

संवाददाता–बहराइच। गांव की महिलाओं के साथ सोमवार सुबह नित्यक्रिया के लिए खेत जाने को निकली एक महिला पर झाड़ियों में छिपे तेंदुए ने झपट्टा मारा, महिलाएं शोर मचाते हुए तेंदुए से भिड़ गईं। हाथ में लिए लोटे से पांच मिनट तक तेंदुआ का सामना करते हुए महिलाओं ने संघर्ष किया। गंभीर रूप से घायल महिला को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। दलजीतपुरवा गांव निवासी उपमा देवी (50) रोज की तरह सुबह करीब छह बजे गांव की अन्य महिलाओं के साथ शौच के लिए लाही के खेत की ओर जा रही थीं। वह सबसे पीछे चल रही थीं, तभी पहले से छिपे तेंदुए ने पीछे से अचानक झपट्टा मार दिया। उपमा देवी की चीख सुनकर साथ चल रही महिलाएं पलटीं तो सामने तेंदुए को देखकर चीख पड़ीं। इसके बाद खुद को संभालते हुए महिलाएं तेंदुए से भिड़ गईं। उनके पास जो भी था, उसी को हथियार बना लिया। पानी से भरे लोटों से तेंदुए पर ताबड़तोड़ प्रहार किया। लगभग पांच मिनट तक तेंदुए और महिलाओं के बीच संघर्ष हुआ। इसके बाद ग्रामीणों की भीड़ देखकर तेंदुआ झाड़ियों में चला गया। हमले में महिला के चेहरे, कंधे व पीठ पर गहरे जख्म हुए हैं।

घटना के बाद गांव में अफरा–तफरी मच गई। परिजनों ने घायल उपमा देवी को तत्काल निजी वाहन से सीएचसी मोतीपुर पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार महिला के शरीर पर गहरे जख्म हैं, हालांकि उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

वन क्षेत्राधिकारी एसके तिवारी ने बताया कि घटनास्थल के आसपास तेंदुए के पगचिह्न मिले हैं, जिससे उसकी मौजूदगी की पुष्टि हुई है। उन्होंने ग्रामीणों से सतर्क रहने, समूह में बाहर निकलने और खेतों की ओर अकेले न जाने की अपील की है। साथ ही पीड़ित परिवार को तत्काल पांच हजार रुपये की सहायता प्रदान की गई है।

प्रतिष्ठा महोत्सव पर भगवान लक्ष्मीनारायण का भव्य महाभिषेक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। चैत्र नवरात्रि एवं रामनवमी महोत्सव के अंतर्गत अशर्फी भवन में विराजमान सपरिकर श्री लक्ष्मीनारायण भगवान का 80वां प्रतिष्ठा महोत्सव एवं ब्रह्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर विविध वैदिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिसमें दक्षिण भारत से पधारे विद्वानों ने विशेष रूप से भगवान विश्वकसेन का पूजन–अर्चन किया।महोत्सव के प्रमुख आकर्षण के रूप में 111 रजत कलशों में सरयू जल, गौ दुग्ध, दही, घी, शहद, पंचामृत, सर्व औषधि जल, मधु, सुगंधित इत्र एवं फलों के रस से भगवान का महाभिषेक संपन्न कराया गया। यह भव्य अभिषेक जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री धराचार्य जी महाराज के यजमानत्व में दक्षिण भारत से आए विद्वानों द्वारा विधि–विधान से सम्पन्न हुआ।

मध्यान काल में भगवान की दिव्य फूल बंगला झांकी सजाई गई, जिसने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ ही तुलसी एवं पुष्पों से 1008 अर्चना भी की गई। महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और भगवान के दर्शन–पूजन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम के अंत में वृहद भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर पूज्य महाराज जी ने अपने प्रवचन में कहा कि यज्ञ भगवान का स्वरूप है और भगवान का अभिषेक करने से आत्मशुद्धि के साथ–साथ पर्यावरण की भी शुद्धि होती है। उन्होंने कहा कि सभी जीव परमात्मा के अंश हैं, अतः हमें सदैव भगवान के स्मरण, चिंतन और आराधना में लगे रहना चाहिए। महाभिषेक में सम्मिलित होकर भक्तजन भावविभोर एवं आनंदित हो उठे।

एक दिन की डीएम बनी कस्तूरबा की छात्रा अनन्या ने सुनी जनता की फरियाद

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल तहसील समागार में सोमवार को डीएम संतोष कुमार शर्मा और एसपी सोमेन्द्र मीना की अध्यक्षता में आयोजित जिलास्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस का नजारा बदला–बदला नजर आया। मिशन शक्ति 5.0 के तहत बालिका सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए डीएम संतोष कुमार शर्मा ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय गड़ौरा की कक्षा आठ की छात्रा अनन्या दूबे को एक दिन के लिए अपनी कुर्सी पर बैठाया। अनन्या ने जनता की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को मौके पर ही जांच व कार्रवाई के कड़े निर्देश भी दिए। एक दिन की डीएम बनी अनन्या के सामने कई गंभीर मामले आए।

ग्राम गिरहिया की लक्ष्मीना ने जमीन की पैमाइश न होने की शिकायत की, जिस पर अनन्या ने तहसीलदार को तत्काल जांच के निर्देश दिए। निचलौल कस्बे के मनीष त्रिपाठी व अशोक मणि ने गैस एजेंसी द्वारा सिलेंडर न देने व दूसरे को डिलीवर करने की शिकायत की। इस पर एक दिन की डीएम बनी छात्रा ने आपूर्ति निरीक्षक को जांच जांच सौंपी। सिंचाई विभाग की जमीन पर कब्जे की शिकायत पर उन्होंने नायब तहसीलदार को मौके पर भेजा। एक दिन का डीएम बनने के बाद अनन्या ने अपनी अनुभव को साझा करते हुए बताया कि डीएम की कुर्सी पर बैठकर बहुत अच्छा लगा। मैंने करीब से देखा कि कैसे लोगों की समस्याओं को हल किया जाता है।

हर रोज गहराता जा रहा सिलिंडर संकट, फोर स्टार होटल में 15 दिन से लकड़ी के चूल्हे पर बन रहा खाना

संवाददाता–श्रावस्ती। कॉर्शियल सिलिंडरों की किल्लत का दंश छोटे होटल व ढाबों के बाद अब बड़े होटलों तक पहुंच गया है। किल्लत का आलम ये है कि श्रावस्ती स्थित चार सितारा होटल में बीते 15 दिनों से लकड़ी के चूल्हे पर खाना बन रहा है। ऐसा तब है जब इस होटल में प्रतिदिन 50 से अधिक विदेशी पर्यटक ठहरते हैं और 250 से अधिक लोगों का खाना व नाश्ता बनता है। होटल डॉयरेक्टर प्रदीप कुमार सक्सेना ने जिला प्रशासन से पत्राचार कर कॉमर्शियल सिलिंडर की मांग की है। बौद्ध तपोस्थली श्रावस्ती साल भर पर्यटकों से गुलजार रहती है। बौद्ध तीर्थ श्रावस्ती में दर्शन–पूजन के लिए श्रीलंका, चीन, नेपाल, भूटान, म्यांमार, बर्मा आदि देशों के सैकड़ों पर्यटक प्रतिदिन आते हैं। पर्यटक श्रावस्ती स्थित होटलों में ठहरते हैं और स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है लेकिन ईरान–इस्राइल युद्ध के बाद शुरू हुई कॉमर्शियल सिलिंडरों की किल्लत अब होटल कारोबार के लिए मुसीबत बन गई है। टाईल्स व संगमरमर पत्थरों से चमचमाते व पर्यटकों को लुभाने वाले इन होटलों में अब लकड़ी के चूल्हे जल रहे हैं।

आलम ये है कि बौद्ध तीर्थ स्थली श्रावस्ती स्थित चार सितारा होटल प्लेटिनम में बीते 15 दिनों से लकड़ी के चूल्हे पर खाना व नाश्ता बन रहा है। इस दौरान प्रतिदिन लगभग 200 पर्यटक व 50 होटल स्टाफ सहित 250 लोगों का खाना व नाश्ता बनता है जिसके लिए प्रतिदिन दो कॉमर्शियल गैस सिलिंडरों की जरूरत पड़ती है। सिलिंडर के अभाव में 15 दिनों से होटल में पर्यटकों व स्टॉफ के लिए मजबूरन लकड़ी का चूल्हा जलाना पड़ रहा है। जिसमें अब तक 15 क्विंटल लकड़ी का इस्तेमाल हो चुका है। होटल के डॉरेक्टर प्रदीप कुमार सक्सेना ने बताया कि लकड़ी का चूल्हा जलने से एक ओर जहां प्रदूषण हो रहा है तो वहीं दूसरी ओर खाना पकाने व नाश्ता तैयार करने में समय भी लग रहा है। इंडेक्शन की मदद भी ली जा रही है लेकिन बड़े स्तर पर इंडेक्शन पर खाना पकाना संभव नहीं हो पा रहा है। सिलिंडर की आपूर्ति के लिए जिला प्रशासन को पत्राचार किया गया है लेकिन अभी राहत नहीं मिली है।

गैस के अभाव में श्रद्धालुओं के भंडारे पर लगा ग्रहण

रामनवमी पर 50 हजार श्रद्धालुओं को खिलाया जाता था प्रसाद –परशुराम दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामनवमी के पावन अवसर पर श्रीराम जन्मोत्सव का भव्य आयोजन संपन्न हो रहा है, किंतु इस उल्लासमय उत्सव पर गैस आपूर्ति की कमी का प्रतिकूल प्रभाव दृष्टिगोचर हो रहा है। गैस के अभाव के कारण मंदिरों में संचालित भंडारे बाधित हो रहे हैं, जिससे संत–महात्मा एवं श्रद्धालुजन दोनों ही कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। अखिल भारतीय पंच तेरह भाई त्यागी खांक चौक तथा संकट मोचन हनुमान मंदिर के पीठाधीश्वर महंत परशुराम दास ने अपनी वेदना व्यक्त करते हुए बताया कि प्रति वर्ष अष्टमी एवं नवमी तिथि पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है, जिसमें लगभग 50 हजार श्रद्धालुओं को प्रसादरूप भोजन प्रदान किया जाता है। तथापि, इस वर्ष गैस आपूर्ति में व्यवधान के कारण भंडारा आयोजन संकटग्रस्त हो गया है। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि हलवाई वर्ग लकड़ी पर भोजन निर्माण के लिए सहमत नहीं है, जिससे वैकल्पिक व्यवस्था भी निष्प्रभावी सिद्ध हो रही है। ऐसी स्थिति में प्रथम बार रामनवमी मेले में भंडारा निरस्त होने की संभावना उत्पन्न हो गई है। महंत परशुराम दास ने आरोप लगाया कि गैस की कालाबाजारी की जा रही है। जहां बड़े–बड़े होटलों को निर्बाध रूप से गैस सिलिंडर उपलब्ध हो रहे हैं, वहीं मठ–मंदिरों को आवश्यक आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। इसका प्रभाव केवल भंडारे तक सीमित न रहकर अन्य सेवा कार्यों पर भी पड़ रहा है।उन्होंने प्रशासन से निवेदन किया है कि धार्मिक आयोजनों एवं सेवा कार्यों की महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए गैस की समुचित एवं सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे इस महत्वपूर्ण पर्व पर श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उल्लेखनीय है कि रामनवमी मेले में देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु अयोध्या आगमन करते हैं। ऐसी स्थिति में भंडारे जैसी व्यवस्थाएं उनकी सेवा एवं सुविधा का अभिन्न अंग होती हैं, किंतु इस वर्ष गैस संकट ने इन व्यवस्थाओं पर प्रश्नचिह्न उपस्थित कर दिया है।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कुसुम लता मद्धेशिया पत्नी धर्मेन्द्र कुमार निवासी ग्राम पिकौरी बक्स, गल्ला मन्डी गाधी नगर बस्ती, जिला–बस्ती की है जो कि पीरामल फाइनेन्स लिमिटेड से ऋण ले रही है और अपना मूल दस्तावेज जिसकी रजिस्ट्री सुभाष चन्द्र, दिलीप कुमार पुत्रगण श्रीकान्त, तथा विनय कुमार, मनीष कुमार, सचिन कुमार पुत्रगण जवाहर लाल व श्रीमती सावित्री पत्नी जवाहर लाल निवासी माली टोला द्वारा मकान नं0–2353 में अपने अंश 258.89 वर्ग मीटर का बैनामा श्रीमती कुसुमलता मद्धेशिया के पक्ष में निष्पादित दिनांक–24.02.2011 को किया गया है तथा जिसकी रजिस्ट्री दिनांक–24.02.2011 को बही नं0–1 जिल्द नं0–4630 के पृष्ट सं0–247 से 306 के क्रम सं0–786 पर सबरजिस्ट्रार कार्यालय बस्ती में दर्ज है को मूल रूप से जमा कर रही है जिस किसी को इस सम्पत्ति अथवा दस्तावेज के बावत किसी प्रकार का हित निहित हो वह आज दिनांक–23.03.2026 से एक सप्ताह के अन्तर्गत पीरामल फाइनेन्स लिमिटेड के अधिकता अनिल कुमार पाण्डेय एडवोकेट, सिविल वार नई विल्डिंग कमरा नं0–28 में लिखित रूप से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

भवदीय

अनिल कुमार पाण्डेय एडवोकेट,

सिविल वार नई विल्डिंग कमरा नं0–28

जिला–बस्ती

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी०डि०) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–598/2025

समुन्द्रा देवी उर्फ समुनरा आदि

बनाम

राधेश्याम आदि

1–राधेश्याम उम्र लगभग 50 साल 2–घनश्याम उम्र लगभग 45 साल 3–अजय कुमार उम्र लगभग 45 साल 4– प्रदीप कुमार उम्र लगभग 35 साल पुत्रगण सीताराम साकिन मौजा–बेलवाड़ाड, तप्पा–शिवपुर, परगना बस्ती पूरब, तहसील–मानपुर, जिला–बस्ती 5–प्रभावती देवी उम्र लगभग 74 साल पत्नी राम सेवक 6– जय प्रकाश उम्र लगभग 55 साल 7–शिव कुमार उम्र लगभग 50 साल 8–राम कुमार उम्र लगभग 45 साल पुत्रगण राम सेवक साकिन मौजा–साड़ी कल्प, तप्पा–शिवपुर, परगना–बस्ती पूरब, तहसील–भानपुर, जिला–बस्ती

– (प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग)

9– श्रीमती शान्ती देवी उम्र लगभग 70 साल पत्नी ईश्वरदीन साकिन मौजा–साडी हिच्छा, तप्पा शिवपुर, परगना बस्ती पूरब, तहसील भानपुर जिला–बस्ती 10–राम नरायन उम्र लगभग 35 साल 11–विजय प्रताप उम्र लगभग 33 साल पुत्रगण राम वरन साकिन–चेतरा हाल मुकाम ग्राम–साड़ी कल्प, तप्पा–शिवपुर, परगना–बस्ती पूरब, तहसील–भानपुर, जिला–बस्ती 12–शेषनाथ उम्र लगभग 30 साल पुत्र परशुराम 13–तारा उम्र लगभग 35 साल 14–पूनम पटवा उम्र लगभग 32 साल पुत्रीगण जवाहरलाल सकिन–टिनिच शुक्ल, हाल मुकाम ग्राम–साड़ी कल्प, तप्पा–शिवपुर, परगना–बस्ती पूरब, तहसील–भानपुर, जिला–बस्ती 15–मीरा उम्र लगभग 46 साल पुत्री मोतीलाल, साकिन साड़ी कल्प, तप्पा–शिवपुर, परगना–बस्ती पूरब, तहसील–भानपुर, जिला–बस्ती

– प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 23–04–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 23 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। –द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान चतुर्थ अपर सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती

जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–854/1995

श्रीमती आरती देवी आदि

बनाम

प्रभावती देवी आदि

5/1 इन्द्रभान आयु 50 साल पुत्र स्व0 रामकुमार निवासी ग्राम हाडापार तप्पा दक्षिन हवेली परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 13–04–2026

हरगाह मुददई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुददाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुददई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस हैं और चाहता है कि बजाय उसके मुददाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 13 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान चतुर्थ अपर सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती

जिला–बस्ती

वाद सं0–337/2021

अरुन कुमार

बनाम

इन्द्रजीत आदि

1. गीता देवी उम्र लगभग 55 साल पत्नी इन्द्रजीत 2. कुसुम उम्र लगभग 50 साल पत्नी दिलीप 3. इन्दरा उम्र लगभग 45 साल पत्नी प्रदीप 4. शालिनी उम्र लगभग 44 साल पत्नी अजीत 5. नीलम उम्र लगभग 40 साल पत्नी धर्मेन्द्र 9. अजीत कुमार उम्र लगभग 52 साल 10. धर्मेन्द्र उम्र लगभग 50 साल पुत्रगण विजय नरायण निवासीगण खरही तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 25–04–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

संवाददाता–गोंडा। जिले के मोतीगंज थाना क्षेत्र में सोमवार को 32 वर्षीय अरविंद बाबा उर्फ अरविंद तिवारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। आरोप है कि आरोपी मनीराम उनके शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) धानेपुर में छोड़कर फरार हो गया। परिजनों ने अरविंद की हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार, 12 मार्च को आरोपी मनीराम तिवारी ने आपसी कहासुनी के बाद अरविंद बाबा के साथ मारपीट की थी। इस घटना को लेकर 14 मार्च को मोतीगंज थाने में मनीराम के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया गया था। मृतक के भाई फूल बाबू ने बताया कि 22 मार्च की सुबह लगभग 8 बजे मनीराम तिवारी और श्रीकांत अरविंद बाबा को अपने साथ ले गए थे। इसके बाद से अरविंद पूरे दिन गायब थे। 23 मार्च को अखिलेश तिवारी नामक व्यक्ति ने परिजनों को सूचना दी कि अरविंद बाबा का शव सीएचसी धानेपुर में पड़ा है। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और अरविंद को मृत पाया। फूल बाबू ने आरोप लगाया कि मनीराम और श्रीकांत ने उनके भाई की हत्या की है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान प्रथम अपर सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–764/2021

रामसुधारे आदि

बनाम

श्रवण कुमार आदि

3/1 शिवगोपाल पुत्र कृष्ण कुमार उम्र लगभग 28 साल साकिन कुरदा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 3/2 चन्द्रावती उम्र 38 साल पुत्री शंकरनाथ पत्नी रामगोपाल ग्राम बसखोरिया तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर 3/3 सीमा उम्र 35 साल पुत्री शंकरनाथ पत्नी बब्लू ग्राम मूडाडीहा पो0 रिठिया सिद्धार्थनगर 3/4 सरोज उम्र 30 साल पुत्री शंकरनाथ पत्नी पिन्टू ग्राम मूडाडीहा पो0 रिठिया सिद्धार्थनगर 3/5 श्रीमती सुशीला देवी उम्र 44 साल बहू शंकरनाथ व पत्नी कृष्ण कुमार 3/6 बबिता पाण्डेय उम्र 20 साल पौत्री शंकरनाथ व पुत्री कृष्णकुमार साकिन कुरदा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 31–03–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 31 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

भए प्रगट कृपाला, दीन दयाला, कौशल्या हितकारी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती । भगवान राम के अवतार के मुख्य पांच कारण है मनु शतरूपा का तप जय विजय को मुनियों का श्राप नारद जी का भगवान विष्णु को दिया गया श्राप राजा प्रताप भानु को ब्राम्हणों का श्राप जालंधर की पत्नी वृंदा का भगवान विष्णु को दिया गया श्राप है राजा दशरथ के घर साक्षात पर ब्रम्ह श्री हरि पैदा हुये। जो निर्गुण थे वही भक्तों के प्रेम के कारण सगुण हो गये। वशिष्ठी की नगरी बस्ती धन्य है जहां पुत्रेष्टि यज्ञ से परमात्मा का अवतार हुआ। दशरथ के पास वशिष्ठ जैसे समर्थ गुरू होने के बाद भी वे निःसन्तान थे, उसका कारण मात्र यही कि उन्होने इच्छा ही प्रकट नहीं किया। जैसे ही दशरथ जी ने इच्छा प्रकट किया श्रृंगीऋषि के मार्ग दर्शन मखौड़ा धाम में पुत्रेष्टि यज्ञ का अनुष्ठान सफल हुआ। धरती पर श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न का जन्म हुआ। चौत्र मास शुक्ल पक्ष और नवमी तिथि को मध्यान्ह में श्रीराम के धरा पर अवतार लिया। यह सद् विचार कथा व्यास स्वामी स्वरूपानन्द जी महाराज ने नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 9 दिवसीय संगीतमयी

—9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा

श्रीराम कथा का दुबौलिया बाजार के राम विवाह मैदान में चौथे दिन व्यक्त किया।

कथा पाण्डाल में जैसे ही श्रीराम का जन्म हुआ 'भए प्रगट कृपाला, दीन दयाला, कौशल्या हितकारी' के गान के साथ वातावरण प्रसन्नता से भर गया। श्रद्धालु भक्तों ने फूलों की वर्षा किया और सिया वरराम चन्द्र की गूंज से कथा पाण्डाल गूंज उठा। विप्र धेनु सुर सन्त हित, लीन्ह मनुज अवतार। निज इच्छा निर्मित तनु माया गुन गो पार।। के माध्यम से श्रीराम जन्म के कारको की व्याख्या करते हुये महात्मा जी ने कहा कि 'बिनु पद चलइ सुनइ बिनु काना।कर बिनु करम करइ बिधि नाना।। परमात्मा सर्व समर्थ है। जैसे ही श्रीराम का जन्म हुआ आकाश से देव और गन्धर्वो ने पुष्प वर्षा किया।

महात्मा जी ने कहा कि ईश्वर दर्शन होने के बाद तो वेद भी विस्मृत हो जाते हैं। राम के बिना आराम नहीं है। धर्म का फल है शान्ति, चन्दन और पुष्प से श्रीराम की सेवा करना अच्छी बात है किन्तु उनकी मर्यादा का पालन तो सर्वोत्तम सेवा है। श्रीराम का जीवन तो ऐसा पवित्र है कि उनका स्मरणमात्र से हम पवित्र हो जाते है। श्रीराम की मातृ पितृ भक्ति अलौकिक है।

श्रीराम कथा के चौथे दिन कथा व्यास का विधि विधान से मुख्य यजमान संजीव सिंह, ने कथा व्यास का पूजन किया। आयोजक बाबूराम सिंह, अनिल सिंह डाक्टर सी बी एन त्रिपाठी हड्डी रोग विशेषज्ञ आचार्य अमित त्रिपाठी शासकीय अधिवक्ता देवानंद सिंह जगदम्बा प्रसाद पांडे सुनील सिंह धनंजय सिंह गणेश तिवारी नन्द कुमार पांडे नीरज गुप्ता राधेश्याम जी दयाराम जी बड़े बाबू राधे गुप्ता सत्यवान सोनी दिनेश कुमार गुप्ता , राज नारायण पाण्डेय, सत्यनरायन द्विवेदी, सभाजीत चौधरी, भानू प्रताप सिंह, , जगदम्बा प्रसाद गुप्ता, प्रमोद पांडे प्रमोद सिंह अजय सिंह अरुण सिंह सुनील सिंह, सचिव जसवन्त सिंह, अनूप सिंह, प्रमोद पाण्डेय, हर्षित सिंह, आदित्य सिंह, विभा सिंह महिमा सिंह प्रधान रिंकी सिंह इन्द्रपरी सिंह, शीला सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक श्रीराम कथा में उपस्थित रहे।

24 शादियां कर चुका है फर्जी आईएएस, अब शहर की युवती को ठगा, पुराने इंटरव्यू का वीडियो दिखाकर रचाई शादी

संवाददाता—गोरखपुर। इटावा जिले के लुधियात मोहल्ले का प्रीतम कुमार निषाद खुद को आईएएस अधिकारी बताकर शहर की युवती को जाल में फंसाने से पहले 24 शादियां कर चुका है। यह जानकारी ठगी के शिकार युवती के पिता कैंट थाना क्षेत्र के मोहद्दीपुर निवासी राधेश्याम कश्यप ने पुलिस को दी। राधेश्याम कश्यप ने बताया कि वह पैरालिसिस के कारण बिस्तर पर हैं। आधा शरीर काम ही नहीं करता है। उनकी तीन बेटियां और एक बेटा है। दो बेटियों की शादी हो चुकी है। छोटी बेटी के लिए रिश्ता तलाशा जा रहा था। वह ग्रेजुएशन कर चुकी है। समाज के एक ग्रुप में इटावा के लुधियात मोहल्ले के रहने वाले प्रीतम का रिश्ता आया। प्रोफाइल में प्रीतम को 32 वर्षीय आईएएस अधिकारी और मनिकपुर में एसडीएम पद पर तैनात बताया गया था।

पिता ने बताया कि दिल्ली में रहने वाली बड़ी बेटी के जरिये से प्रीतम से बातचीत शुरू हुई। उसने फोन पर खुद को आईएएस बताते हुए भरोसा दिलाया। दिसंबर 2025 में वह गोरखपुर भी आया और परिवार से मुलाकात की। उसके व्यवहार और बातों से परिवार पूरी तरह आश्वस्त हो गया। शक दूर करने के लिए परिवार के कुछ लोग इटावा भी गए, जहां उसने लुधियात मोहल्ले में अपना घर दिखाया। उसने बताया कि वह और उसकी बहन ही वहां रहते हैं और जल्द ही नया मकान खरीदने वाले हैं। गांव के बारे में पूछने पर उसने खुद को वहां का पहला आईएएस बताते हुए कहानी गढ़ दी। 11 मार्च 2026 को शादी तय हुई। पहले दहेज से इन्कार करने वाले प्रीतम ने बाद में शादी खर्च के नाम पर 15 लाख रुपये ले लिए। शादी से चार दिन पहले वह भारत सरकार लिखी कार से गोरखपुर पहुंचा, उसके साथ एक असिस्टेंट भी था। वह उसके पीछे—पीछे चल रहा था।

इससे परिवार का भरोसा और मजबूत हो गया। शादी के दिन ही संदेह की शुरुआत हो गई। रिश्तेदारों ने जब उससे तैनाती और क्षेत्र के बारे में सवाल किए तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद परिवार ने उसके गांव में संपर्क किया, जहां से चौंकाने वाली जानकारी मिली कि वह कोई आईएएस नहीं, बल्कि ठग है और कई शादियां कर चुका है। हालांकि प्रीतम ने अपनी सफाई में पुराने इंटरव्यू का वीडियो दिखाकर परिवार को दोबारा गुमराह कर दिया और 12 मार्च को विदाई हो गई। उसी दिन उसके गांव से लगातार फोन आने लगे। उन्होंने प्रीतम के फर्जीवाड़ा का सबूत भी दिया। उन्होंने बताया कि प्रीतम गांव से भागा हुआ है। उसने कई लोगों से फर्जीवाड़ा किया है। वह पहले ही 24 शादियां कर चुका है। संदेह बढ़ने पर परिवार के लोग इटावा पहुंचे। वहां सच्चाई सामने आ गई। घर की हालत बेहद खराब थी, यहां तक कि शौचालय तक नहीं था। कड़ाई से पूछताछ में प्रीतम ने कबूल किया कि वह आईएएस नहीं है और एक निजी कंपनी में काम करता है। पीड़ित पिता ने बताया कि इटावा के एकदिल थाने में पहले से ही उसके खिलाफ दो मामले दर्ज हैं। गोरखपुर लौटकर उन्होंने कैंट थाने में भी शिकायत दर्ज कराई है। राधेश्याम ने कहा कि उसने हमारी मजबूरी का फायदा उठाया। पैसे भी ले गया और बेटी की जिंदगी भी बर्बाद कर दी। अब उसे सजा दिलाकर ही चैन लेंगे। पिता ने बताया कि 11 मार्च को कैंट क्षेत्र के एक मैरिज हाउस से शादी होनी थी। वहीं बरात के ठहरने के लिए एक होटल बुक किया था। शादी वाले दिन दोपहर बाद बरात आई। होटल में दूल्हा और बराती ठहरे थे। हमारे कुछ रिश्तेदार बाहर से आए थे। उन लोगों को जब पता चला कि लड़का आईएएस है तो मिलने होटल चले गए। वहां पर काफी देर तक बातचीत हुई। प्रीतम से उन्होंने पूछा कि कहां पर तैनात हैं, तो उसने मनिकपुर का नाम लिया।

बताया कि इटावा से 500 किमी दूर यूपी दिल्ली बॉर्डर पर है। रिश्तेदारों ने प्रीतम के घर इटावा के बारे में पूछा लेकिन कुछ नहीं बता पाया। इससे रिश्तेदार बहुत संतुष्ट नहीं थे। इन सब के बीच रातभर शादी का कार्यक्रम चला। पिता ने बताया कि सुबह उनके भतीजे और रिश्तेदार ने बड़ी बेटी से उसके समाज के ग्रुप के बारे में पूछा। जहां से प्रोफाइल आई थी, उनका नंबर लिया। फिर उनसे दूल्हे के गांव का नंबर लेकर फोन किया। फोन पर प्रीतम के पटीदारों से बात हुई। उन्होंने बताया कि वह कोई आईएएस नहीं है। वह फर्जीवाड़ा करता है। इतना सुनते ही भतीजे ने विदाई रुकवा दी। बाद में उसने कुछ और कहानियां गढ़ कर अपने को पाक—साफ बताया। इसके बाद बेटी की विदाई कर दी गई।

कैंट थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। युवती के परिवार के आरोपों की जांच की जा रही है।—डॉ. कौस्तुभ, एसएसपी

योगी को काम नहीं करने दे रहे दोनों डिप्टी सीएम —सूरज पाल अम्मू

संवाददाता—अयोध्या। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पाल अम्मू ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या व ब्रजेश पाठक को सोमवार को निशाने पर लिया। कहा, दोनों उपमुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को काम नहीं करने दे रहे। मथुरा के फरसा बाबा की हत्या में हुई कार्रवाई इसी का परिणाम है। श्री—एजी होटल में पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि प्रयागराज में बटुकों को पीटना भगवा का अपमान है, लेकिन शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की भाषा भी उचित नहीं है। अम्मू ने आरक्षण पर भी सरकार को घेरा।

कहा, आरक्षण आर्थिक आधार पर होना चाहिए और यदि वर्तमान व्यवस्था को ही लागू रखना है तो सरकार बताए कि आखिर 75 वर्षों में पिछड़ों और अनुसूचित वर्ग के लोगों का भला क्यों नहीं हुआ। उन्होंने जातीय संगठनों को देश के लिए अनुचित बताया। कहा, जातीय संगठनों से किसी का भला नहीं होने वाला। उन्होंने करणी सेना को सर्वसमाज का संगठन बताया।

यह धारणा गलत है कि संगठन में सिर्फ क्षत्रिय हैं। इसमें ब्राह्मण, वैश्य, कायस्थ और पिछड़े व अनुसूचित वर्ग के भी लोग हैं। सोमवार को अयोध्या दौरे पर आए अम्मू ने यूजीसी पर केंद्र सरकार की चुप्पी पर भी प्रश्न उठाये। कहा कि जिन मतदाताओं के बूते नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने, उन्हीं की उपेक्षा की जा रही है। जिन्होंने 20 मिनट में रामजन्मभूमि पर विवादित ढांचा गिरा दिया। वही सरकार को भी गिरा सकते हैं।

यूजीसी के नए नियम यदि वापस नहीं हुए तो वृहद स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने आंदोलन में उन पिछड़ों और अनुसूचित जाति के लोगों के सम्मिलित होने का आह्वान किया, जिन्हें नौकरी नहीं मिल। अध्यक्ष ने कहा कि कि चौथी बार अयोध्या आए हैं और मंदिर आंदोलन में भी सक्रिय भागीदारी की, लेकिन प्राण प्रतिष्ठा एवं अन्य अवसरों पर कारसेवकों को आमंत्रित तक नहीं किया गया।

उद्योगपतियों और फिल्मी सितारों को बुलाया गया, जबकि इनकी आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने श्वेतराज सिंह को संगठन का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष घोषित किया। इस अवसर पर व्यापार शक्ति के सचिन सिंहल, संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश शुक्ला, जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता, महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष सविता सिंह आदि की उपस्थिति रही।

दो से चार घंटे की नवजात बच्ची को झाड़ियों में फेंककर चले गए, कपड़े में लिपटी रोती हुई मिली

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। राजेसुल्तानपुर क्षेत्र में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। क्षेत्र में एक नवजात बच्ची को किसी ने जन्म के तुरंत बाद झाड़ियों में फेंक दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने नवजात बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया। बच्ची के स्वस्थ्य होने के बाद उसे बाल गृह भेज दिया गया। क्षेत्र के समसीह गांव के दक्षिण जिले की सीमा पर रामफेर यादव के भट्ठे के निकट रविवार की शाम लगभग सात बजे गांव के कुछ बच्चों को झाड़ियों से किसी के रोने की आवाज सुनाई थी। जानकारी मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंच गए जहां कपड़े में लिपटी एक नवजात बच्ची रोती मिली। थानाध्यक्ष अक्षय पटेल के अलावा आजमगढ़ के अतरौलिया थाने की पुलिस भी आ गई। नवजात बच्ची लगभग दो से चार घंटे की बताई जा रही है। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से बच्ची को भवनाथपुर चौराहे पर निजी अस्पताल में दिखाया। इसके बाद उसे समाजसेवी गौरव यादव की मदद से अतरौलिया स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां गौरव यादव व उनकी टीम ने स्वस्थ्य होने के बाद बच्ची को बाल गृह आजमगढ़ भेज दिया गया। इस दौरान कई ग्रामीणों ने मासूम को गोद लेने की इच्छा भी जाहिर की लेकिन सभी को कानूनी प्रक्रिया का पालन करने की सलाह देते हुए लौटा दिया गया।

छात्रों ने रोबोटिक्स, एआई तकनीकें सीखीं

संवाददाता—संत कबीर नगर। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जिला विज्ञान क्लब द्वारा एक वैज्ञानिक शोध प्रयोगशालाओं और औद्योगिक संस्थानों में शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विज्ञान लोकप्रियकरण एवं सर्वेक्षण था, जिसमें जनपद के कक्षा 9 से 12 तक के 10 विद्यालयों के 115 मेधावी छात्र—छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ एडीएम (न्यायिक) चंद्रेश कुमार सिंह और जिला विद्यालय निरीक्षक, संत कबीर नगर हरिश्चंद्र नाथ ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर एडीएम चंद्रेश कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे वैज्ञानिक भ्रमण विद्यार्थियों की जिज्ञासा बढ़ाते हैं और उन्हें नवाचार की दिशा में प्रेरित करते हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चंद्र नाथ ने व्यावहारिक अनुभव को वास्तविक शिक्षा का आधार बताया। इस भ्रमण में डॉ. नीतू यादव (समन्वयक, जिला विज्ञान क्लब), डॉ. अभिषेक कुमार सिंह (सह—समन्वयक), निशा यादव (पूर्व समन्वयक), नीलम राय (प्रधानाध्यापिका), विजय राज सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान, छात्र—छात्राएं सर्वप्रथम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, गीडा, गोरखपुर पहुंचे यहां उन्हें इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन सेंटर का अवलोकन कराया गया। विद्यार्थियों को रोबोटिक्स एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित विभिन्न प्रयोगों और तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई।

नगर निगम के 10 मनोनीत पार्षदों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली

संवाददाता—गोरखपुर। महानगर की सरकार में पार्षदों की संख्या सोमवार को 80 से बढ़ कर 90 हो गई। नगर निगम के 10 नव—नामित पार्षदों का आज महापौर डॉ मंगलेश कुमार श्रीवास्तव ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नामित पार्षदों ने अपराह्न 03 बजे उल्लासपूर्ण महौल में नगर निगम के नवीन भवन स्थित सदन हाल में शपथ ली। मनोनीत पार्षदों में दुर्गेश बजाज, वीर सिंह सोनकर, रितेश सिंह बब्लू, आलोक सिंह विशेन, चंदन आर्या, ममता जायसवाल, अरविंद निषाद, शिवम पांडेय, अष्टभुजा श्रीवास्तव, संजय कुमार वैश्य शपथ ग्रहण करेंगें। इन समारोह में उपसभापति पवन त्रिपाठी समेत सभी पार्षद उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा नगर निगम के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

भारत मुक्ति मोर्चा का पैदल मार्च, यूजीसी बिल लागू करने, ओबीसी जनगणना की मांग

संवाददाता—संतकबीरनगर। खलीलाबाद शहर में सोमवार को भारत मुक्ति मोर्चा और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च निकाला। उन्होंने केंद्र सरकार से यूजीसी बिल लागू करने, जाति आधारित जनगणना में ओबीसी का कॉलम शामिल करने और 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) से मुक्त करने की मांग की। यह जुलूस भारत मुक्ति मोर्चा के जिला संयोजक गुरुबचन और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा के संयोजक सूर्यभान चौरसिया के नेतृत्व में निकाली गई। संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर राष्ट्रपति और केंद्र सरकार को संबोधित एक ज्ञापन प्रशासन के माध्यम से सौंपा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो राष्ट्रव्यापी चरणबद्ध जनआंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। ज्ञापन में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने कैबिनेट में ओबीसी की जाति आधारित जनगणना का फैसला किया था, लेकिन जनगणना नोटिफिकेशन में ओबीसी जातियों का कॉलम नहीं दिया गया। कार्यकर्ताओं ने इस साल होने वाली राष्ट्रीय जनगणना में ओबीसी का जाति कॉलम बढ़ाने की मांग की। दूसरी प्रमुख मांग एससी, एसटी और ओबीसी के समर्थन में सख्त यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन बनाकर लागू करने की थी।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 47/2025
न्यायालय—सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर
1— मीना देवी उर्फ उषा देवी 2. सुशीला देवी पत्नी प्रेम सागर 3. पुष्करमणि त्रिपाठी 4. हर्षमणि त्रिपाठी 6. शेषमणि त्रिपाठी पुत्रगण स्व0 प्रेम सागर निवासीगण ग्राम महादेवगजपुर तप्पा बुढ़की परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर
—प्रार्थी/आवेदक
बनाम
ईस्टेट
विपक्षी
तारीख पेशी— 27.03.2026
प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
अपने पति/पत्नी मृतक स्व0 प्रेमसागर पुत्र जगमोहन कुमार को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।
चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 03 के 27 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।
2026 के 03 के दिवस 18 को दिनांकित।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 36/2026
न्यायालय—सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर
1— सोहबाती उम्र करीब 77 वर्ष पत्नी स्व0 राजाराम साकिन सरौली टोला कंचनपुर तप्पा ऊटापार परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर
—प्रार्थी/आवेदक
बनाम
ईस्टेट
विपक्षी
तारीख पेशी— 25.03.2026
प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
अपने पति/पत्नी मृतक राजाराम को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।
चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 03 के 25 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।
2026 के 03 के दिवस 18 को दिनांकित।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नम्बर मुकदमा—
वाद सं0—T202517140206263
धारा 25 (1) सो0 रजि0 एक्ट 1860
अदालत— श्रीमान नियत प्राधिकारी/उप जिलाधिकारी महोदय भानपुर जिला—बस्ती
आदित्य सिंह आदि
बनाम
शिशिर कुमार सिंह आदि
मौजा नरखोरिया
1. शिशिर कुमार सिंह उम्र लगभग 42 साल पुत्र स्व0 सत्येन्द्र नाथ सिंह 2. सुधांशु कुमार सिंह उम्र लगभग 36 साल पुत्र स्व0 सत्येन्द्रनाथ सिंह 3. श्रीमती ममता सिंह उम्र लगभग 65 साल पत्नी स्व0 सत्येन्द्रनाथ सिंह साकिनान नरखोरिया तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर पोस्ट असनहरा जिला बस्ती
तारीख पेशी 30—03—2026
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 30 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्ताई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 16 माह 03 सन 2026 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 37/2026
न्यायालय—सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर
1— राधेश्याम पाण्डेय 2. रमाकान्त पाण्डेय 3. ब्रम्हानन्द पाण्डेय 4. बालकनाथ पाण्डेय 5. धर्मेन्द्र कुमार पाण्डेय पुत्रगण सभा पाण्डेय निवासीगण ग्राम बसडिलिया तप्पा थरौली परगना वो तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर
—प्रार्थी/आवेदक
बनाम
ईस्टेट
विपक्षी
तारीख पेशी— 31.03.2026
प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
अपने मृतक भूषण पाण्डेय पुत्र सभा पाण्डेय को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।
चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 03 के 31 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।
2026 के 03 के दिवस 19 को दिनांकित।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 239/2023
न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 स्थान—सिद्धार्थनगर जिला—सिद्धार्थनगर
शिवकुमारी
बनाम
दीनानाथ अगहरि
1. दीनानाथ अगहरि उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र स्व0 गनेश साकिन मुहल्ला रमजान नगर नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर तप्पा थरौली परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर
तारीख पेशी 17—05—2026
प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 17—05—2026 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 72/2022
न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 स्थान—सिद्धार्थनगर जिला—सिद्धार्थनगर
राजू
बनाम
हरिशचन्द्र आदि
1. हरिशचन्द्र वालिग पुत्र स्व0 गया 2. रामकिशुन वालिग 3. दिनेश कुमार यादव वालिग पुत्रगण स्व0 उदयशंकर 4. श्रीमती मेम वालिग पत्नी स्व0 उदयशंकर साकिनान मौजा खानकोट तप्पा खानकोट परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर
—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
5. रामचरित्तर वालिग 6. सुरेन्द्र वालिग 7. साहिबू वालिग पुत्रगण मुकदम उर्फ सुखराज साकिनान मौजा खानकोट तप्पा खानकोट परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर
—प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 02—04—2026
प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 02—04—2026 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायाधीश

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम—11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा—12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)/एफ0टी0सी0 प्रथम महोदय सिद्धार्थनगर जिला—सिद्धार्थनगर
प्रकीर्ण घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 191/2023
थाना—कपिलवस्तु
जिला—सिद्धार्थनगर
सालेहा खातून
बनाम
नसीबुल्लाह आदि
1. नसीबुल्लाह पुत्र रूआब अली 2. जबीउल्लाह पुत्र रूआब अली 3. मैमुन्निशा पत्नी रूआब अली 4. रूआब अली पुत्र अज्ञात 5. अनवर जहाँ पत्नी हबीबुल्लाह 6. मजीबुल्लाह पुत्र हबीबुल्लाह समस्त साकिनान बर्डपुर नं0—1 टोल गेनवरिया थाना कपिलवस्तु जिला—सिद्धार्थनगर
—विपक्षीगण
तारीख पेशी 06—04—2026
याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा— 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषों) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्फत तारीख 06 मास 04 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमें असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।
द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com